गैर संक्रामक रोग
(Non-Communicable Diseases)

गैर संक्रामक रोग (Non-Communicable Diseases)

भारत में गैर संक्रामक रोग की समस्या से निपटने का अतिरिक्त बोझ बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति में व्यापक बदलाव महसूस किया जा रहा है। कुल मिलाकर गैर संचारी रोग देश में मृत्यु का प्रमुख कारण बनते जा रहें है और कुल मौतों में इन रोगों से मरने वाले का अनुपात 42 प्रतिशत से भी अधिक है। गैर संचारी रोगों के कारण शहरी और ग्रामीण दोनों ही आबादियों में रुग्णता एवं मृत्यु आयु संख्या में चितांजनक बढ़ोतरी देखने को मिली है। इन बीमारियों से बड़ी संख्या में संभावित उत्पादक समूह (35-64 वर्ष) के लोगों के जीवन की क्षति हो रही है। अनुमान है कि मधुमेह, हाइपरटेंशन, हृदय रोग जैसी बीमारियों की विद्यमानता भारत में अधिक है। भारत में कैंसर के करीब 27 लाख रोगी हैं। यहां कैंसर जैसे गैर संक्रामक रोगों से मृत्यु की संभावना बढ़ती ही जा रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की हाल में जारी एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि कैंसर, मधुमेह, हृदय तक पहुँचाने वाली रक्त कोशिकाओं (कार्डियोवैस्कूलर) से जुड़े रोग और सांस लेने में परेशानी से जुड़ा पुराना रोग ये—चार प्रमुख गैर संक्रामक रोग है।

भारत में वृद्धों की बढ़ती जनसंख्या एवं पर्यावरणीय व्यवहार में परिवर्तन के कारण गैर संक्रामक रोग विशेषतः हृदय सम्बन्धित रोग, मधुमेह, आघात/स्ट्रोक (Stroke) और फेफड़ों से सम्बन्धित बीमारियाँ इत्यादि गम्भीर जन-स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरकर सामने आयी हैं। उत्पादक उम्र/अवस्था में होने वाली असामयिक रोग व मृत्यु से निपटना व समाधान करना भारतीय समाज व अर्थव्यवस्था के लिये

Scanned by CamScanner

चुनौती है। भारत में सन् 2005 में गैर-संक्रमक का 53% रोगों से होने वाली मृत्यु 5,466,000 थी जो कुल मृत्यु (10,632,000) हुई है जिसमें 2.4 लाख हृदय रोग से, 37.8 लाख मधुमेह से, 2.4 लाख कैंसर से तथा 0.93 लाख स्ट्रोक से मृत्यु हुई है।

विश्व अर्थव्यवस्था फोरम (World Economic Form, 2010) के अनुसार, विश्व के तीन बहु-जनसंख्या वाले देश की राष्ट्रीय आय की अनुमानित राशि (अंतर्राष्ट्रीय डॉलर में) चाइना ने 558 करोड़ डॉलर, रूस ने 303 करोड़ डॉलर तथा भारत ने 237 करोड़ डॉलर सन् 2005-2015 के मध्य सिर्फ हृदय रोग, स्ट्रोक तथा मधुमेह से होने वाली मृत्यु पर खर्च किया।

डब्ल्यू.एच.ओ. रिपोर्ट के प्रमुख बिन्दु (Impotant Points of WHO Report)

- भारत में 30 से 70 वर्ष क बीच मरने वाले लोगों की सम्भाव्यता जो 2010 में 26.1 प्रतिशत थी वह 2012 में बढ़कर 26.2 प्रतिशत हो गई।
- भारत में इस तरह की मौत का यह प्रतिशत दक्षिण एशिया और अफ्रिका के कुछ देशों की तुलना में सबसे खराब है।
- पी-5 देशों (चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका) में केवल रूस 29.2 प्रतिशत के साथ भारत से अधिक खराब स्थिति में है।

शरीर में किसी अंग अथवा अंग तंत्र की संरचना एवं कार्य विधि में किसी प्रकार की विरुपता रोग कहलाती है। रोग मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं।

1. संचारी रोग (Communicable Disease)
2. असंचारी रोग (Non-Communicable Disease)

गैर संक्रामक रोग
(Non-Communicable Disease)

गैर संक्रामक रोग का प्रसार रोगी के सम्पर्क में आने से अथवा किसी वाहक द्वारा नहीं होता है। यह रोग निम्न लिखित कारणों से उत्पन्न हो सकतें है–

- असंतुलित आहार से अर्थात् विटामिन, खनिज लवण, प्रोटिन आदि की कमी से।
- बुढ़ापे में ऊतकों के नष्ट होनें से।

Scanned by CamScanner

- शरीर के किसी भाग में ऊतकों में अनियंत्रण वृद्धि होने से।
- उपापचायक अभिक्रियाओं में दोष होने से।
- दुर्घटना के कारण शरीर के किसी भाग के क्षतिग्रस्त होने सें।

उपरोक्त के अतिरिक्त हृदय, कैंसर, डायबिटिज आदि कुछ अन्य गैर संक्रामक रोग है, जो किसी वाहक द्वारा अथवा रोगियों के सम्पर्क में आने से उत्पन्न नहीं होते हैं।

Scanned by CamScanner